प्रश्न: **गैर ऋणी किसान द्वारा फसल बीमा लेने के लिए कौन-से दस्तावेज जमा करवाना अनिवार्य हैं?**

उत्तर: गैर ऋणी किसानों को भूमि स्वामित्व दस्तावेज - अधिकार का रिकॉर्ड (आरओआर) और भूमि कब्जा प्रमाण पत्र (एलपीसी), आधार कार्ड (नवीनतम), बैंक पासबुक (प्रथम पृष्ठ - बैंक खातों के विवरण के साथ) और फसल बुआई प्रमाण पत्र (यदि राज्य सरकार की अधिसूचना में अनिवार्य किया गया हो) आदि दस्तावेज अनिवार्य रूप से जमा करवाने होते हैं। बटाईदार किसान या किराए पर ली गयी भूमि की स्थिति में, भूमि के मालिक के साथ अनुबंध समझौता, किराया/पट्टा विलेख इत्यादि दस्तावेज अनिवार्य हैं।

प्रश्न: **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा इकाई क्या हैं?**

उत्तर: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत, राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र दृष्टिकोण के आधार पर बीमा इकाई का चयन किया जाता है। राज्य सरकारें, प्रमुख फसलों के लिए ग्राम/ग्राम पंचायत या किसी अन्य समकक्ष इकाई (जैसे राजस्व मंडल/पटवार हल्का आदि) को और लघु फसलों के लिए जिला/तालुका या इनके समकक्ष इकाई को बीमा इकाई के रूप में अधिसूचित कर सकती हैं।

प्रश्न: **स्थानीय आपदाओं से फसल में नुकसान होने पर सूचना दर्ज करने की प्रक्रिया क्या हैं?**

उत्तर: प्रभावित बीमित किसान को आपदा के 72 घण्टे के अन्दर सीधे बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर या क्रॉप इन्शुरन्स ऐप पर अथवा लिखित में अपने बैंक/कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से सूचित करवाना आवश्यक है। जिसमें किसान का नाम, मोबाईल नम्बर, अधिसूचित पटवार सर्किल, बैंक का नाम, बैंक खाता संख्या, आपदा का प्रकार, प्रभावित फसल आदि की सूचना अंकित होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

अधिक जानकारी के लिए : किसान कॉल सेंटर (1800-180-1551), सीएससी, बैंक या इंश्योरेंस एजेंट से संपर्क करें और अधिसूचित फसलों, बीमित राशि और अपने गांव में योजना के लिए नामांकन की अंतिम तिथि के बारे में जानकारी पाएं।

@PMFasalBimaYojana @pmfby www.pmfby.gov.in Crop Insurance (Farmer's app) GET IT ON Google Play

SBI general INSURANCE SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

अधिक जानकारी के लिए कृपया अपनी नजदीकी बैंक शाखा/सीएससी से संपर्क करें या हमारे टोल फ्री नंबर 18002091111 पर संपर्क करें

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड। कॉर्पोरेट और पंजीकृत कार्यालय: फल्क्रम बिल्डिंग, 9वीं मंज़िल, ए और बी विंग, सहार रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई–400099। विज्ञापन में दी गई जानकारी सांकेतिक स्वरूप की है। जोखिम कारकों, नियमों और शर्तों पर अधिक जानकारी के लिए कृपया बिक्री संपन्न करने से पहले सेल्स ब्रोशर और पॉलिसी की शब्दावलियाँ ध्यान से पढ़ें। । एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लिए । आईआरडीएआई पंजी. क्र. 144 दिनांक 15/12/2009 । सीआईएन: U66000MH2009PLC190546 प्रदर्शित एसबीआई लोगो भारतीय स्टेट बैंक का है और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा लाइसेंस के अंतर्गत उपयोग में लाया गया है. । वेबसाइट: www.sbigeneral.in, टोल फ्री: 18001021111 । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना IRDAN144CP0003V02201617 । विज्ञापन क्रमांक: ADLEF/FEB/21-22/4380.

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

SBI general INSURANCE SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

जानेंगे आप तो मिलेगा लाभ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) हेतु किसानों के सहायतार्थ प्रश्नोत्तरी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ

G20

कृषि रक्षक

आज़ादी के अमृत महोत्सव पर हमारा संकल्प है कि किसानों को मिले मौसम के खतरों से आज़ादी। इसलिए **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** देती है प्राकृतिक आपदाओं से फसल को सुरक्षा। पॉलिसी को बीमित किसानों के द्वार तक पहुंचाने के लिए हमने फसल बीमा पॉलिसी वितरण कार्यक्रम का किया है शुभारंभ। अब देश के करोड़ों किसान गर्व से कहेंगे – **मेरी पॉलिसी मेरे हाथ**। आने वाले रबी २०२२ के मौसम में आप भी इस योजना से जुड़ सकते है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु किसानों के सहायतार्थ प्रश्नोत्तरी:

प्रश्न: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना क्या है?

उत्तर: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की फसलों से जुड़े हुए जोखिमों की वजह से होने वाले नुकसान की भरपाई करने का माध्यम है। इससे किसानों को अप्रत्याशित या प्रतिकूल मौसम की वज़ह से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई की जाती है।

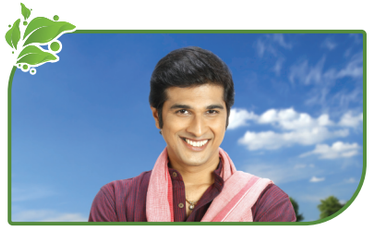

प्रश्न: फसल बीमा कौन करवा सकता है?

उत्तर: ऋणी एवं गैर ऋणी (बटाईदार/साझेदार) किसान अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित की गई फसलों के बीमा का लाभ उठा सकते हैं। ऋणी एवं गैर ऋणी किसानों के लिए यह योजना स्वैच्छिक है। पंजीकरण की अंतिम तिथि सामान्यत: 31 जुलाई / 31 दिसंबर है। अपने क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों एवं उसके अंतिम तिथि के लिए सीएससी केंद्र, पीएमएफबीवाई पोर्टल, इंश्योरेंस कंपनी या कृषि कार्यालय से संपर्क करे।

ऋणी किसान आवेदन की अंतिम तिथि से 7 दिन पहले तक सम्बंधित बैंक शाखा में ऑप्ट-आउट फॉर्म या स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत करके योजना से बाहर हो सकते है।

प्रश्न: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के लिए बीमित राशि क्या होगी?

उत्तर: बीमित राशि का निर्धारण जिला स्तरीय तकनीकी समिति द्वारा फसल के वित्त मान (Scale of Finance) के आधार पर या गत वर्षों में आई सम्बंधित फसल की औसत उपज एवं फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर किया जाता है।

प्रश्न: फसल बीमा के लिए किसान द्वारा देय प्रीमियम दर क्या हैं?

उत्तर: खरीफ मौसम के लिए 2 प्रतिशत, रबी मौसम हेतु 1.5 प्रतिशत, व्यावसायिक और बागवानी फसलों हेतु बीमित राशि का अधिकतम 5 प्रतिशत।

प्रश्न: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कौन-कौन से जोखिम शामिल हैं?

उत्तर: 1. फसलों की बुवाई न कर पाने/असफल अंकुरण जोखिम: बीमित क्षेत्र में कम वर्षा अथवा प्रतिकूल मौसम/मौसमी दशाओं के कारण बुवाई/पौध रोपण/अंकुरण न होने से हुई हानि से सुरक्षा प्रदान करना।

2. खड़ी फसल (बुवाई से कटाई तक): सूखा, शुष्क स्थिति, बाढ़, जलप्लावन, व्यापक रूप से कीटों व रोगों के प्रभाव, भूस्खलन, प्राकृतिक कारणों से आग, आकाशीय बिजली, तूफान, ओलावृष्टि तथा चक्रवात जैसे रोके न जा सकने वाले जोखिमों के कारण उपज नुकसान का आच्छादन करने के लिए व्यापक जोखिम बीमा आवरण प्रदान किया जाता है।

3. फसल कटाई के उपरान्त नुकसान: यह प्रावधान ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती वर्षा और बेमौसम वर्षा होने की स्थिति में व्यक्तिगत आधार पर खेत में काटकर व फैलाकर/छोटे गठ्ठरों में बांधकर सुखाने हेतु रखी गई फसलों को फसल कटाई के पश्चात् केवल 14 दिनों की अधिकतम अवधि में हानि होने की स्थिति में संरक्षण प्रदान करता हैं।

4. स्थानीय आपदाएं: योजना के तहत स्थानीयकृत जोखिमों/आपदाओं यथा ओलावृष्टि, भूस्खलन, जलभराव, बादल फटने तथा अधिसूचित इकाई अथवा किसी खेत के हिस्से पर बिजली गिरने के कारण प्राकृतिक आग लगने से फसल को होने वाले नुकसान को व्यक्तिगत किसानों के खेत के स्तर पर बीमा सुरक्षा प्रदान की गयी है।

प्रश्न: इस योजना के तहत गैर-ऋणी किसान बीमा कैसे ले सकतें हैं?

उत्तर: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा प्राप्त करने के इच्छुक गैर-ऋणी किसान निकटम बैंक शाखा/सहकारी समिति/अधिकृत चैनल पार्टनर/जन सेवा केंद्र (सीएससी)/बीमा कम्पनी या उनके अधिकृत एजेंट से सम्पर्क कर सकते हैं या निर्धारित तिथि के अंतर्गत स्वयं राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल www.pmfby.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन फार्म भर सकते हैं।

प्रश्न: क्या ऋणी किसान बीमित फसल में परिवर्तन करा सकते हैं एवं कब तक?

उत्तर: हाँ, ऋणी किसान बीमित फसल में परिवर्तन करवा सकते हैं, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नामांकन की अंतिम तिथि से दो दिन (कार्य दिवस) पहले तक किसान अपनी फसल में परिवर्तन की सूचना सम्बंधित बैंक शाखा में दे सकते है।

ಪ್ರಶ್ನೆ: ವಿಮಾ ಅರ್ಜಿಯ ಸ್ಥಿತಿಯನ್ನು ನಾವು ಹೇಗೆ ನೋಡಬಹುದು?

ಉತ್ತರ : ಸಂರಕ್ಷಣೆ ತಂತ್ರಾಂತದ ಮುಖ ಪುಟದಲ್ಲಿ ವರ್ಷ ಮತ್ತು ಹಂಗಾಮುಅನ್ನು ಆಯ್ಕೆ ಮಾಡಿ ರೈತರ/ Farmers ಅಡಿಯಲ್ಲಿ "Check Status" / ಅರ್ಜಿ ಸ್ಥಿತಿ ಬಳಸಿಕೊಂಡು. ಅರ್ಜಿ ಸಂಖ್ಯೆ /ಮೊಬೈಲ್‌ನಂಬರ್ /ಆಧಾರ್ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ನಮೂದಿಸಿ ನೋಡ ಬಹುದಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಆಧಾರ್ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿರುತ್ತದೆಯೇ? ಒಬ್ಬ ರೈತ ಆಧಾರ್ ಕಾರ್ಡ್ ಹೊಂದಿರದಿದ್ದರೆ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಆಧಾರ್ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ

ಪ್ರಶ್ನೆ: ರೈತರು ಆಧಾರ್ ನೀಡದಿದ್ದರೆ ಘೋಷಣೆಯನ್ನೂ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ. ಏನು ಮಾಡಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಆಧಾರ್ ನೋಂದಣಿ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ನೀಡಬೇಕು

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಬ್ಯಾಂಕ್ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ರೈತರಿಂದ ಅರ್ಜಿ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಪ್ರೀಮಿಯಮ್‌ಅನ್ನು ಸಹ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಇನ್ಶೂರೆನ್ಸ್ ಕಂಪನಿಯವರಿಗೆ ಕಳುಹಿಸದಿದ್ದರೆ, ಇನ್ಶೂರೆನ್ಸ್ ಕವರ್ ಆಗುತ್ತದೆಯೇ?

ಉತ್ತರ : ಇಲ್ಲ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಜಂಟಿ ಖಾತೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಯಾರ ಆಧಾರ್ ಅನ್ನು ನಮೂದಿಸಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಜಂಟಿ ಖಾತೆಯಲ್ಲಿರುವ ಸದಸ್ಯರುಗಳು ಅವರುಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರನ್ನು ನೇಮಿಸಿ ಉಳಿದವರು ಎನ್‌ಒಸಿ (NOC) ಪತ್ರವನ್ನು ನೀಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ. ನೇಮಕ ಮಾಡಿದ ರೈತರ ಆಧಾರ್‌ಅನ್ನು ನಮೋದಿಸಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿ ಫಸಲ್ ಭಿಮಾ ಯೋಜನೆ

ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ : **ಕಿಸಾನ್ ಕಾಲ್ ಸೆಂಟರ್ (1800-180-1551),** ಸಿಎಸ್‌ಸಿ, ಬ್ಯಾಂಕ್ ಅಥವಾ ಇನ್ಶ್ಯೂರನ್ಸ್ ಏಜಂಟ್‌ರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ ಹಾಗೂ ಅಧಿಸೂಚಿತ ಬೆಳೆಗಳು, ವಿಮಾ ಮೊತ್ತ ಹಾಗೂ ನಿಮ್ಮ ಹಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿ ಯೋಜನೆಗಾಗಿ ದಾಖಲಾತಿಯ ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕದ ಬಗ್ಗೆ ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಪಡೆಯಿರಿ.

@PMFasalBimaYojana @pmfby www.pmfby.gov.in Crop Insurance (Farmer's app) GET IT ON Google Play

SBI general INSURANCE
SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸಮೀಪದ ಬ್ಯಾಂಕ ಶಾಖೆ / ಗ್ರಾಹಕ ಸೇವಾ ಕೆಂದ್ರವನ್ನು ಅಥವಾ ನಮ್ಮ ಶುಲ್ಕರಹಿತ ಫೋನ ನಂಬರ್ 18002091111 ಅನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.

ಘೋಷಣೆ : ಎಸ್‌ಬಿಐ ಜನರಲ್ ಇನ್‌ಶ್ಯೂರನ್ಸ್ ಕಂಪನಿ ಲಿಮಿಟೆಡ್ I ಕಾರ್ಪೊರೇಟ್ ಹಾಗೂ ನೋಂದಾಯಿತ ಕಚೇರಿ: 'ನಟರಾಜ್', 301, ವೆಸ್ಟರ್ನ್ ಎಕ್ಸ್‌ಪ್ರೆಸ್ ಹೈವೇ ಹಾಗೂ ಅಂಧೇರಿ – ಕುರ್ಲಾ ರೋಡ್ ಜಂಕ್ಷನ್, ಅಂಧೇರಿ (ಪೂರ್ವ), ಮುಂಬಯಿ – 400 069. I ಜಾಹೀರಾತಿನಲ್ಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸ್ವರೂಪದಲ್ಲಿ ಸೂಚನಾತ್ಮಕವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಮಾರಾಟ ನಿರ್ಧಾರಕ್ಕೆ ಬರುವ ಮೊದಲು ಅಪಾಯದ ಅಂಶಗಳು, ನಿಯಮಗಳು ಹಾಗೂ ನಿಬಂಧನೆಗಳ ಮೇಲಿನ ಹೆಚ್ಚಿನ ವಿವರಗಳಿಗಾಗಿ ದಯವಿಟ್ಟು ಮಾರಾಟ ಕೈಪಿಡಿಯನ್ನು ಹಾಗೂ ಪಾಲಿಸಿ ವರ್ಡಿಂಗ್‌ಗಳನ್ನು ಎಚ್ಚರಿಕೆಯಿಂದ ಅವಲೋಕಿಸಿ. I ಎಸ್‌ಬಿಐ ಜನರಲ್ ಇನ್‌ಶ್ಯೂರನ್ಸ್ ಕಂಪನಿ ಲಿಮಿಟೆಡ್‌ಗಾಗಿ ದಿನಾಂಕ 15/12/2009ರ ಐಆರ್‌ಡಿಎಐ ನೋಂದಣಿ ಸಂ. 144 I ಸಿಐಎನ್: U66000MH2009PLC190546 I ಪ್ರದರ್ಶಿಸಿರುವ ಎಸ್‌ಬಿಐ ಲೋಗೋ ಸ್ಟೇಟ್ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಆಫ್ ಇಂಡಿಯಾಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ್ದಾಗಿರುತ್ತದೆ ಹಾಗೂ ಪರವಾನಗಿಯ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ಎಸ್‌ಬಿಐ ಜನರಲ್ ಇನ್‌ಶ್ಯೂರನ್ಸ್ ಕಂಪನಿ ಲಿಮಿಟೆಡ್ ಬಳಸುತ್ತದೆ. ಯುಐಎನ್ : IRDAN144CP0003V02201617 I Advt No: ADLEF/JUN/2021-22/2822

ಕೃಷಿ ಹಾಗೂ ರೈತ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಚಿವ ಸಂಪುಟ
ಭಾರತ ಸರಕಾರ.

ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿ
ಫಸಲ್ ಭಿಮಾ ಯೋಜನೆ

ನಿಮಗೆ ತಿಳಿದಿದ್ದರೆ ಪ್ರಯೋಜನ ದೊರೆಯುತ್ತದೆ

ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿ ಫಸಲ್ ಭಿಮಾ ಯೋಜನೆ (P.M.F.B.Y)ಗಾಗಿ ಕೃಷಿಕರ ಸಹಾಯಾರ್ಥವಾಗಿ ಪ್ರಶೋತ್ತರ

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20

ಭಾರತವು ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯದ 75 ವರ್ಷಗಳನ್ನು ಪೂರ್ಣಗೊಳಿಸುತ್ತಿದೆ, ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯದ ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ದೇಶದ ಕೃಷಿಕರನ್ನು ಆತ್ಮನಿರ್ಭರರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡುವ ಸಂಕಲ್ಪವನ್ನು ನಾವು ಮಾಡಿದ್ದೇವೆ. ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿ ಫಸಲ್ ಬಿಮಾ ಯೋಜನೆಯಿಂದ ಕೃಷಿಕರ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಉಂಟಾಗುತ್ತಿರುವ ವಿಭಿನ್ನ ವಿಪತ್ತುಗಳಿಂದ ರಕ್ಷಣೆ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿಕರಿಗೆ ಆರ್ಥಿಕ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ. ನೀವು ಈ ಯೋಜನೆಯೊಂದಿಗೆ ಸೇರಿಕೊಳ್ಳಿ ಹಾಗೂ ತಮ್ಮ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ವಿಮೆಯ ರೂಪದ ಸುರಕ್ಷಾ ಕವಚವನ್ನು ಪಡೆಯಿರಿ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಪಿಎಮ್ಎಫ್‌ಬಿವೈ ಹಾಗೂ ಡಬ್ಯೂಬಿಸಿಐಎಸ್ ನಡುವಿನ ಪ್ರಮುಖ ವ್ಯತ್ಯಾಸವೇನು?

ಉತ್ತರ : ಪ್ರಮುಖ ವ್ಯತ್ಯಾಸವೆಂದರೆ ಪಿಎಮ್ಎಫ್‌ಬಿವೈ ಅಡಿಯಲ್ಲಿ ವಿಮಾ ಪಾವತಿಸುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಬೆಳೆ ಕೊಯ್ಲಿನ ಪ್ರಯೋಗಗಳ ಮೂಲಕ ಪಡೆದ ಇಳುವರಿ ಡೇಟವಾವನ್ನು ಬಳಸಲಾಗುತ್ತದೆ ಡಬ್ಯೂಬಿಸಿಐಎಸ್‌ನಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಕ್ಸಿ ಇಂಡಿಕೇಟರ್‌ಗಳಾಗಿ, ಮಳೆಯ ಪ್ರಮಾಣ, ಗಾಳಿಯ ವೇಗ, ಆರ್ದ್ರತೆ ಮುಂತಾದ ಹವಾಮಾನ ಮಾನದಂಡಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಬೆಳೆಹಾನಿಯನ್ನು ನಿರ್ಧರಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ ಹಾಗೂ ಪಾವತಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಒಂದೇ ಪ್ರಪೋಸಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಒಂದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಬೆಳೆಯನ್ನು ಇನಶ್ಯೂರ್ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿದೆಯೇ? ಹೌದು ಎಂದಾದರೆ, ನಿಬಂಧನೆಗಳು ಯಾವುವು?

ಉತ್ತರ : ಇಲ್ಲ, ಒಂದು ಆರ್‌ಟಿಸಿ ಹಾಗೂ ಒಂದು ಬೆಳೆಗೆ ಒಂದು ಪ್ರಸ್ತಾವನೆಯನ್ನು (ಪ್ರಪೋಸಲ್ ಅನ್ನು) ರಚಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಒಬ್ಬ ರೈತನು ಒಂದು ಭಾಗದ ಜಮೀನಿನ ಬೆಳೆಗೆ ವಿವಿಧ ಬ್ಯಾಂಕುಗಳಲ್ಲಿ ಹಲವಾರು ಬಾರಿ ವಿಮೆ ಮಾಡಿಸಬಹುದೇ?

ಉತ್ತರ : ಇಲ್ಲ

ಪ್ರಶ್ನೆ: ವಿಮೆಯ ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕ (ಕಟ್ ಆಫ್ ಡೇಟ್) ರಜಾದಿನವಾಗಿದ್ದರೆ ಏನು ?

ಉತ್ತರ : ಮುಂದಿನ ಕೆಲಸದ ದಿನವು ಕಟ್ ಆಫ್ ಡೇಟ್ ಆಗಿರುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಡಬ್ಯೂಬಿಸಿಐಎಸ್‌ನಲ್ಲಿ ಬೆಳೆ ಬದಲಾವಣೆಗಾಗಿ ಅವಕಾಶವಿದೆಯೇ?

ಉತ್ತರ : ಹೌದು, ಬೆಳೆ ಬದಲಾವಣೆಗಾಗಿ ಅವಕಾಶ ನೀಡಲಾದ ಸಮಯದ ಮಿತಿಯೊಳಗಡೆ ಬೆಳೆಯ ಬದಲಾವಣೆಗಾಗಿ ಅವರು ಅರ್ಜಿಸಲ್ಲಿಸಿದರೆ ಮಾಡಬಹುದು

ಪ್ರಶ್ನೆ: ರೈತರಿಗೆ ಸಾಲ ಬೇಡವೆಂದಾದರೆ ವಿಮೆ ಯೋಜನೆಯಡಿ ಪಾಲ್ಗೊಳ್ಳಬಹುದೇ?

ಉತ್ತರ : ಹೌದು, ಸಾಲ–ಪಡೆಯದ ರೈತರಾಗಿ ಅವರು ವಿಮೆ ಯೋಜನೆಯಡಿ ಪಾಲ್ಗೊಳ್ಳಬಹುದು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಇನ್‌ಶ್ಯೂರೆನ್ಸ್ ಕಂಪನಿಯಿಂದ ಅರ್ಜಿಯನ್ನು ತಿರಸ್ಕರಿಸುವ ಅವಕಾಶವಿದೆಯೇ?

ಉತ್ತರ : ಹೌದು. ಕೆಳಗಿನ ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಕಂಪನಿಯು ಅರ್ಜಿಯನ್ನು ತಿರಸ್ಕರಿಸಬಹುದು; ಎ) ಪ್ರಪೋಸಲ್ ಅನ್ನು ಕಂಪನಿಗೆ ಬ್ಯಾಂಕ್‌ನಿಂದ ಸಲ್ಲಿಸಬೇಕಾದ ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕದ ನಂತರ ಸಲ್ಲಿಸಿದರೆ ಬಿ) ಕಂಪನಿಗೆ ಸಲ್ಲಿಸುವ ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕದ ಒಳಗಡೆ ಬ್ಯಾಂಕ್‌ನಿಂದ ಪ್ರೀಮಿಯಂ ಮೊತ್ತವನ್ನು ವರ್ಗಾಯಿಸದಿದ್ದರೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಸಾವಿನ ಪ್ರಕರಣಗಳ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಭೂಮಿಯಮಾಲೀಕರು ಪ್ರಪೋಸರ್‌ರಿಂದ ಬೇರೆಯಾಗಿದ್ದರೆ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಅಂತಹ ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮ ಲೆಕ್ಕಿಗರು ಪ್ರಪೋಸರ್ ಕಾನೂನು ಪ್ರಕರ ಉತ್ತರಾಧಿಕಾರಿ ಎಂದು ಪ್ರಮಾಣೀಕರಿಸದರೆ ಹಾಗೂ ಅವರು ವಿಮೆ ಮಾಡಲು ಬಯಸುವ ಭೂಮಿಗೆ ಅರ್ಹರಾಗಿದ್ದರೆ ಪ್ರಪೋಸಲ್ ಅನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಬಹುದು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಒಬ್ಬ ರೈತ ಬೆಳೆಗಾಗಿ ಅಧಿಕ ಪ್ರಮಾಣದ ಹಣಕಾಸನ್ನು ಬ್ಯಾಂಕ್‌ನಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಾನೆ ಆದರೆ ಸೂಚನೆ ನೀಡಿಲ್ಲ. ಅವನು ಮತ್ತೊಂದು ಬ್ಯಾಂಕ್‌ನಲ್ಲಿ ಅಧಿಸೂಚಿತ ಬೆಳೆಗಾಗಿ ಸಾಲವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಾನೆ. ಅವನು ವಿಮೆ ಮಾಡಬೇಕೇ?

ಉತ್ತರ : ಸಂರಕ್ಷಣೆ ಸಾಫ್ಟವೇರ್ ಮೂಲಕ ಭೂಮಿಯಿಂದ ಪಡೆದಂತೆ ಆರ್‌ಟಿಸಿಯಲ್ಲಿ ಲಭ್ಯವಿರುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಅಧಿಸೂಚಿತ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಅನುಮತಿಸುವ ಮಟ್ಟಿಗೆ ರೈತರು ಬೆಳೆ ವಿಮೆಗೆ ದಾಖಾಲಿಸಬೇಕು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಒಂದೇ ಬೆಳೆಗಾಗಿ ವಿಭಿನ್ನ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಖಾತೆಗಳೊಂದಿಗೆ ವಿಭಿನ್ನ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬ ರೈತ ದಾಖಲಿಸಬಹುದೇ ?

ಉತ್ತರ : ಹೌದು. ಒಬ್ಬ ರೈತನು ಬ್ಯಾಂಕ್ ಖಾತೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿದ್ದರೆ ಯಾವುದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ವಿಮಾ ಘಟಕದಲ್ಲಿ ಅಧಿಸೂಚಿತ ಬೆಳೆಗಾಗಿ ದಾಖಲಿಸಬಹುದು ಹಾಗೂ ಭೂಮಿಯ ಪ್ರಕಾರ ಅವನು ಹೊಂದಿರುವ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯ ಮಿತಿಗೆ ಹಾಗೂ ಅವನು ಬೆಳೆಯುತ್ತಿರುವ ಒಟ್ಟು ಪ್ರದೇಶವನ್ನು ವಿಮೆ ಮಾಡಿಸುತ್ತಿರುವುದಕ್ಕೆ ಒಳಪಟ್ಟಿರುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ರೈತರು ಅರ್ಜಿಯಲ್ಲಿ ತಪ್ಪು ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ನೀಡಿದ್ದರೆ ಏನು ಮಾಡಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಒಬ್ಬರು ರೈತರಿಂದ ಸರಿಯಾದ ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಪಡೆಯಬೇಕು, ಇಲ್ಲದಿದ್ದರೆ ಕಾರಣಗಳೊಂದಿಗೆ ನೀವು ಅರ್ಜಿಯನ್ನು ತಿರಸ್ಕರಿಸಬಹುದು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಆರ್‌ಟಿಸಿಯು ತಂದೆಯ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿದ್ದರೆ ಹಾಗೂ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಖಾತೆಯು ಮಗನ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿದ್ದರೆ ಬೆಳೆಯನ್ನು ವಿಮೆ ಮಾಡಿಸಬಹುದೇ ?

ಉತ್ತರ : ಇಲ್ಲ, ಪ್ರಪೋಸರ್ ಹೆಸರಿನಲ್ಲಿ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಖಾತೆ ಇರಬೇಕು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಆಧಾರ ಹಾಗೂ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಖಾತೆಯಲ್ಲಿ ಹೆಸರಿನ ಸ್ಪೆಲ್ಲಿಂಗ್‌ಗಳು ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿದ್ದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಅವರು ದಾಖಲಿಸಬಹುದೇ?

ಉತ್ತರ : ದಾಖಲೆಯನ್ನು ಪರಿಶೀಲಿಸುವ ಮೂಲಕ ಬ್ಯಾಂಕರ್ ತನ್ನ ಸ್ವವಿವೇಚನೆಯನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು

ಪ್ರಶ್ನೆ: ವಿಮೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಬ್ಯಾಂಕರ್‌ಗಳಿಗಾಗಿ ಆಧಾರ್ ಸೀಡಿಂಗ್ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿರುತ್ತದೆಯೇ? ವಿಮಾ ಮೊತ್ತವು ಆಧಾರ್ ಖಾತೆಗೆ ಮಾತ್ರ ಕ್ರೆಡಿಟ್ ಆಗುತ್ತದೆಯೇ

ಉತ್ತರ : ಹೌದು. ಏಕೆಂದರೆ ಕ್ಲೇಮ್ ಮೊತ್ತವನ್ನು ಆಧಾರ್ ಲಿಂಕ್ಡ್ ಖಾತೆಗೆ ಕ್ರೆಡಿಟ್ ಮಾಡಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಬ್ಯಾಂಕ್ ಶಾಖೆಯು ಬ್ಯಾಂಕ್ ಸೇವಾ ಕ್ಷೇತ್ರದ ಸಾಲ ಪಡೆಯದ ರೈತರಿಗೆ ಮಾತ್ರ ವಿಮಾರಕ್ಷಣೆಯನ್ನು ನೀಡಬೇಕೇ?

ಉತ್ತರ : ಇಲ್ಲ, ಯಾವುದೇ ಸಾಲ–ಪಡೆಯದ ರೈತರು ಅವರ ಆಯ್ಕೆಯ ಯಾವುದೇ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಶಾಖೆಯಲ್ಲಿ ಅವರ ಬೆಳೆಯನ್ನು ವಿಮೆ ಮಾಡಬಹುದು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಅರ್ಜಿಯ ಭೌತಿಕ ಪ್ರತಿಗಳನ್ನು ಎಷ್ಟುದಿನಗಳವರೆಗೆ ಸಂರಕ್ಷಿಸಿಡಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಹಿಂದಿನ ವರ್ಷಗಳಲ್ಲಿನಂತೆ, ಭೌತಿಕ ಪ್ರತಿಗಳನ್ನು ವಿಮೆಯ ಅಂತಿಮ ಇತ್ಯರ್ಥದವರೆಗೆ ಅಂದರೆ ಕ್ಲೇಮ್ ಪೂರ್ಣಗೊಳ್ಳುವವರೆಗೆ ಸಂರಕ್ಷಿಸಿಡಬೇಕು.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ಜಂಟಿ ಮಾಲೀಕರನ್ನು ಕವರ್ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವೇ? ಹೌದು ಎಂದಾದರೆ, ನಿಯಮಗಳೇನು?

ಉತ್ತರ : ಜಂಟಿ ಖಾತೆಯಲ್ಲಿರುವ ಸದಸ್ಯರುಗಳು ಅವರುಗಳಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರನ್ನು ನೇಮಿಸಿ ಉಳಿದವರು ಎನ್‌ಒಸಿ (NOC) ಪತ್ರವನ್ನು ನೀಡಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ. ನೇಮಕ ಮಾಡಿದ ರೈತರ ಆಧಾರ್‌ಅನ್ನು ನಮೋದಿಸ ಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಪ್ರಶ್ನೆ: ರೈತರು ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕದಂದು ಹಳೆಯ ಆರ್‌ಟಿಸಿಯನ್ನು ತಂದರೆ, ಏನುಮಾಡಬೇಕು?

ಉತ್ತರ : ಬೆಳೆ ವಿಮೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ರೈತರು ಅಗತ್ಯ ದಾಖಲೆಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಬೇಕು.

প্ৰশ্ন: ঋণ বিহীন কৃষকে শস্য বীমা ল'বলৈ কি কি নথিপত্ৰ জমা দিয়াৰ আৱশ্যকতা আছে?

উত্তৰ: ঋণবিহীন কৃষকে মাটিৰ মালিকীস্বত্বৰ নথিপত্ৰ - অধিকাৰৰ ৰেকৰ্ড (আৰঅ'আৰ) আৰু ভূমি অধিকাৰ দখলৰ প্ৰমাণপত্ৰ (এলপিচি), আধাৰ কাৰ্ড (শেহতীয়া), বেংক পাছবুক (বেংক একাউণ্ট বিৱৰণ সহ প্ৰথম পৃষ্ঠা), শস্যৰ বীজ ৰোপন প্ৰমাণপত্ৰ (যদি ৰাজ্য চৰকাৰৰ অধিনিয়ম অনুসৰি বাধ্যতামুলক কৰা হৈছে) আদি জমা দিয়াটো বাধ্যতামুলক। যদিহে মাটি আধি বা মাটি ভাড়াত লৈছে, মাটিৰ মালিকৰ সৈতে কৰা চুক্তিপত্ৰৰ নথি, ভাড়া/লীজ চুক্তিপত্ৰ বাধ্যতামুলক।

প্ৰশ্ন: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ অধীনত বীমা গোট কি হয়?

উত্তৰ: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ অধীনত, ক্ষেত্ৰ ভিত্তিৰ আধাৰত ৰাজ্য চৰকাৰৰ দ্বাৰা বীমা গোট নিৰ্ধাৰণ কৰা হয়। ৰাজ্য চৰকাৰে প্ৰধান শস্যৰ বীমা গোট হিচাপে গাঁও/ গাঁও পঞ্চায়ত বা অন্য কোনো সমকক্ষ গোটক(যেনে ৰাজহ চক্ৰ) আৰু নূন্যতম শস্যৰ বাবে জিলা/তালুকা বা ইয়াৰ সমকক্ষ গোটক বীমা গোট হিচাপে মনোনীত কৰিব পাৰে।

প্ৰশ্ন: স্থানীয় দুৰ্যোগৰ ফলত হোৱা শস্য ক্ষতিৰ বিষয়ে জনোৱাৰ প্ৰক্ৰিয়াটো কি?

উত্তৰ: প্ৰভাৱিত হোৱা বীমাকৃত কৃষকে ঘটনাৰ ৭২ ঘন্টাৰ ভিতৰত প্ৰত্যেক্ষভাৱে বীমা কোম্পানীৰ টোল ফ্ৰী নম্বৰ বা শস্য বীমা এপ বা বেংক/কৃষি বিভাগৰ বিষয়াৰ যোগেদি লিখিত ভাৱে জনোৱা আৱশ্যক। কৃষকৰ নাম, মোবাইল নম্বৰ, অধিসূচিত চাৰ্কল, বেংকৰ নাম, বেংক একাউণ্ট নম্বৰ, দুৰ্যোগৰ প্ৰকাৰ, ক্ষতি হোৱা শস্য আদিৰ বিষয়ত তথ্য উল্লেখ কৰা উচিত।

প্ৰধান মন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনা

অধিক তথ্য জানিবলৈ যোগাযোগ কৰক **কিষাণ কল চেন্টাৰ: 1800-180-1551**

ওচৰৰ কৃষি কাৰ্য্যালয়, চিএছচি, বেংক বা বীমা এজেন্টৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক আৰু অধিসূচিত শস্য, বীমাকৃত ধন আৰু আপোনাৰ গাঁওত এই আঁচনিৰ অধিনত নামভৰ্তি কৰাৰ অন্তিম তাৰিখৰ বিষয়ে তথ্য জানক।

@PMFasalBimaYojana pmfasalbimayojana PMFBY @pmfby @pmfby www.pmfby.gov.in Crop Insurance (Farmer's app) GET IT ON Google Play

বীমা এজেন্ট: BAJAJ Allianz | bharti AXA | FUTURE GENERALI | HDFC ERGO | IFFCO-TOKIO GENERAL INSURANCE | RELIANCE | SBI general SURAKSHA AUR BHAROSA DONO | Universal Sompo General Insurance Suraksha, Hamesha Aapke Saath

কৃষি আৰু কৃষক কল্যাণ মন্ত্ৰালয়
ভাৰত চৰকাৰ

প্ৰধান মন্ত্ৰী
ফচল বীমা যোজনা

SBI general INSURANCE
SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

যিমানে জানিব সিমানে উপকৃত হ'ব

প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ (পিএমএফবিৱাই) বিষয়ত কৃষকৰ সহায়ক হোৱা প্ৰশ্নোত্তৰ

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

মোৰ পলিচি মোৰ হাতত

G20

কৃষি ৰক্ষক

আজাদীৰ অমৃত মহোৎসত আমাৰ সংকল্প যে কৃষকে পাওক বতৰৰ বিপদৰ পৰা স্বাধীনতা । সেয়েহে **প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাই** প্ৰাকৃতিক দুৰ্যোগৰ পৰা শস্যৰ সুৰক্ষা প্ৰদান কৰে। পলিচিবোৰ বীমাকৃত কৃষকৰ ওচৰ পোৱাবলৈ আমি ফচল বীমা পলিচি বিতৰণ কাৰ্য্যসূচীৰ শুভাৰাম্ভ কৰিছোঁ। এতিয়া দেশৰ কোটি কোটি কৃষকে গৰ্বৰে ক'ব – **মোৰ পলিচি মোৰ হাতত**। আহিব লগা **খাৰিফ ২০২৩** ৰ বতৰত আপুনিও এই যোজনাৰ সৈতে জড়িত হ'ব পাৰিব।

প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ (পিএমএফবিৰাই) বিষয়ত কৃষকৰ সহায়ক হোৱা প্ৰশ্নোত্তৰ

প্ৰশ্ন: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনা কি?

উত্তৰ: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনা হৈছে কৃষকৰ শস্যৰ সৈতে জড়িত সমস্যাৰ ফলত হোৱা লোকচানৰ ক্ষতিপূৰণৰ কৰাৰ এক মাধ্যম। এই আঁচনিৰ যোগেদি, কৃষকৰ অপ্ৰত্যাশিত বা প্ৰতিকুল বতৰৰ ফলত হোৱা শস্যৰ লোকচানৰ ক্ষতিপূৰণ কৰা হয়।

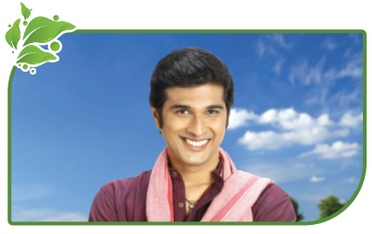

প্ৰশ্ন: শস্য বীমা কোনে কৰাব পাৰে?

উত্তৰ: ঋণী বা ঋণ নোলোৱা (আধিয়াৰ/ ভাৰাতীয়া) সকলো কৃষকে অধিসূচীত ক্ষেত্ৰত কৰা অধিসূচিত শস্যৰ বীমাৰ সুবিধা ল'ব পাৰে। ঋণী বা ঋণ নোলোৱা কৃষকৰ বাবে এই যোজনা স্বেচ্ছামূলক হয়। আপোনাৰ অঞ্চলৰ অধিসূচিত শস্য আৰু অন্তিম তাৰিখৰ বিষয়ে তথ্য জানিবলৈ আপুনি চিএচচি চেন্টাৰ, পিএমএফবিৰাই প'ৰ্টেল, বীমা কোম্পানী বা কৃষি কাৰ্য্যালয়ৰ সৈতে যোগাযোগ কৰিব।

প্ৰশ্ন: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ অধীনত কৃষকৰ বাবে বীমাকৃত ধন কি হ'ব?

উত্তৰ: বীমাকৃত ধনৰ পৰিমাণৰ নিৰ্ধাৰণ জিলা স্তৰৰ টেকনিকেল সমিতিৰ দ্বাৰা শস্যৰ বিত্ত মানৰ (Scale of Finance) আধাৰত বা পূৰ্ব বছৰবোৰৰ শস্যৰ গড় উৎপাদন আৰু শস্যৰ নূন্যতম সমৰ্থিত মূল্যৰ আধাৰত কৰা হয় ।

প্ৰশ্ন: ফচল বীমাৰ বাবে কৃষকে দিয়া প্ৰীমিয়ামৰ হাৰ কি হ'ব?

উত্তৰ: খাৰিফ শস্যৰ বাবে ২.০%, ৰবি শস্যৰ বাবে ১.৫% আৰু বাণিজ্যিক আৰু উদ্যান শস্যৰ বাবে বীমাকৃত ধনৰ সৰ্বাধিক ৫%।

প্ৰশ্ন: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ অধিনত কোনবোৰ ক্ষতি অন্তৰ্ভূক্ত হয়?

উত্তৰ: ১/ শস্যৰ বীজ ৰোপন/ গছ ৰোপন/ অংকুৰণ নোহোৱা সমস্যাৰ ৰোধ কৰা: বীমাকৃত অঞ্চলত প্ৰতিকূল বতৰ/ বতৰৰ অৱস্থা বা কম বৰষুণৰ ফলত শস্যৰ বীজ ৰোপন/গছ ৰোপন/অংকুৰণ নোহোৱা সমস্যা ৰোধৰ বাবে সুৰক্ষা প্ৰদান কৰে।

২/ পথাৰৰ শস্য (বীজ ৰোপনৰ পৰা শস্য কটালৈকে): খৰাং, শুকান অৱস্থা, বানপানী, জলপ্লাৱন, পোক আৰু ৰোগৰ ব্যাপক আক্ৰমণ, ভূমিস্খলন, বনজুই, বিজুলী, ধুমুহা, শিলাবৃষ্টি আৰু ঘূৰ্ণিবতাহ আদিৰ দৰে দুৰ্যোগৰ সময়ত হোৱা শস্যৰ ক্ষতি পূৰণ কৰাৰ বাবে এক সৰ্বাংগীন বিপদাশংকাৰ বীমা প্ৰদান কৰা হয়।

৩/ শস্য কটাৰ পিছৰ ক্ষতি: ব্যক্তিগত ভিত্তিত খেতি পথাৰত শস্য কাটি বা কটাৰ পিছত সৰু সৰু মুঠি কৰি শুকাবৰ বাবে মেলি ৰখাৰ সৰ্বাধিক ১৪ দিনৰ ভিতৰত যদি শিলাবৃষ্টি, ঘূৰ্ণিবতাহ, বা বৰষুণ আৰু আবতৰীয়া বৰষুণ হয় তেনে ক্ষেত্ৰত শস্যৰ ক্ষতিৰ সুৰক্ষা প্ৰদান কৰা হয়।

৪/ স্থানীয় দুৰ্যোগ: এই আঁচনিৰ অধীনত, স্থানীয় দুৰ্যোগ/আকস্মিক দুৰ্ঘটনা যেনে শিলাবৃষ্টি, ভূমিস্খলন, জলপ্লাৱন, ডাৰৰ বিস্ফোৰণ আৰু অধিসূচিত অংশ বা খেতি পথাৰৰ আংশিক ভাগত বজ্ৰপাত পৰাৰ কাৰণে প্ৰাকৃতিক জুই লগাৰ ফলত হোৱা খেতিৰ লোকচানক কৃষকৰ ব্যক্তিগত খেতিৰ স্তৰত সুৰক্ষা প্ৰদান কৰা হয়।

প্ৰশ্ন: এই আঁচনিৰ অধিনত ঋণ নোলোৱা কৃষকে কেনেকৈ বীমা কৰাব পাৰে?

উত্তৰ: প্ৰধানমন্ত্ৰী ফচল বীমা যোজনাৰ অধীনত বীমা লাভ কৰিবলৈ ইচ্ছুক ঋণ নোলোৱা কৃষকে তেওঁলোকৰ ওচৰৰ বেংক শাখা/ সমবায় সমিতি/ কৰ্তৃত্বশীল চেনেল পাৰ্টনাৰ/ জন সেৱা কেন্দ্ৰ (চিএছচি)/ বীমা কোম্পানী বা সেইবোৰৰ কৰ্তৃত্বশীল এজেন্টৰ সৈতে যোগাযোগ কৰিব পাৰে বা তেওঁলোকে নিৰ্ধাৰিত দিনত বা তাৰ আগতে ব্যক্তিগত ভাৱে ৰাষ্ট্ৰীয় শস্য বীমা প'ৰ্টেল www.pmfby.gov.in ত গৈ অনলাইন আবেদন পত্ৰ পূৰণ কৰিব পাৰিব।

প্ৰশ্ন: ঋণী কৃষকে বীমাকৃত শস্য সলনি কৰিব পাৰিবনে আৰু কেতিয়ালৈকে পাৰিব?

উত্তৰ: হয়, ঋণী কৃষকে তেওঁলোকৰ বীমাকৃত শস্য সলনি কৰিব পাৰিব। কৃষকে ৰাজ্য চৰকাৰৰ দ্বাৰা স্থিৰ কৰা পঞ্জীয়নৰ অন্তিম দিনৰ দুদিন (কৰ্ম দিন) আগলৈকে সংশ্লিষ্ট বেংক শাখাত তেওঁৰ শস্য সলনি কৰাৰ তথ্য জনাব পাৰিব।

प्रश्नः गैर ऋणी किसान द्वारा फसल बीमा लेने के लिए कौन-से दस्तावेज जमा करवाना अनिवार्य हैं?

उत्तरः गैर ऋणी किसानों को, भूमि स्वामित्व दस्तावेज - अधिकार का रिकॉर्ड (ROR) और भूमि कब्जा प्रमाण पत्र (एलपीसी), आधार कार्ड (नवीनतम), बैंक पासबुक (प्रथम पृष्ठ - बैंक खातों के विवरण के साथ) और फसल बुआई प्रमाण पत्र (यदि राज्य सरकार की अधिसूचना में अनिवार्य किया गया हो) आदि दस्तावेज अनिवार्य रूप से जमा करवाने होते हैं। बटाईदार किसान या किराए पर ली गयी भूमि की स्थिति में, भूमि के मालिक के साथ अनुबंध समझौता, किराया/पट्टा विलेख इत्यादि दस्तावेज अनिवार्य हैं।

प्रश्नः दावे का मूल्याकन कैसे किया जाता है?

उत्तरः राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित टर्म शीट और अधिसूचित वेदर स्टेशन द्वारा दर्ज किए गए मौसम के आकड़ों के आधार पर दावों का मूल्याकन किया जाएगा और मौसम के आकड़े प्राप्त होते ही दावों की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दावा मूल्याकन के लिए फसल सर्वेक्षण की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि विशेष रुप से सरकारी अधिसूचित टर्म शीट में इसे विशेष तौर उल्लिखित न किया जाए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

अधिक जानकारी के लिए कृपया अपनी नजदीकी बैंक शाखा/सीएससी से संपर्क करें या हमारे टोल फ्री नंबर 18002091111 पर संपर्क करें

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड। कॉर्पोरेट और पंजीकृत कार्यालय: फल्क्रम बिल्डिंग, 9वीं मंज़िल, ए और बी विंग, सहार रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400099। विज्ञापन में दी गई जानकारी सांकेतिक स्वरूप की है। जोखिम कारकों, नियमों और शर्तों पर अधिक जानकारी के लिए कृपया बिक्री संपन्न करने से पहले सेल्स ब्रोशर और पॉलिसी की शब्दावलियाँ ध्यान से पढ़ें। । एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के लिए । आईआरडीएआई पंजी. क्र. 144 दिनांक 15/12/2009 । सीआईएन: U66000MH2009PLC190546 प्रदर्शित एसबीआई लोगो भारतीय स्टेट बैंक का है और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा लाइसेंस के अंतर्गत उपयोग में लाया गया है. । वेबसाइट: www.sbigeneral.in, टोल फ्री: 18001021111 । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना IRDAN144CP0003V02201617 । विज्ञापन क्रमांक: ADLEF/FEB/21-22/4380.

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

SBI general INSURANCE
SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

जानेंगे आप तो मिलेगा लाभ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) हेतु किसानों के सहायतार्थ प्रश्नोत्तरी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ

G20 भारत 2023 INDIA

आज़ादी के अमृत महोत्सव पर हमारा संकल्प है कि किसानों को मिले मौसम के खतरों से आज़ादी। इसलिए **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** देती है प्राकृतिक आपदाओं से फसल को सुरक्षा। पॉलिसी को बीमित किसानों के द्वार तक पहुंचाने के लिए हमने फसल बीमा पॉलिसी वितरण कार्यक्रम का किया है शुभारंभ। अब देश के करोड़ों किसान गर्व से कहेंगे – **मेरी पॉलिसी मेरे हाथ**। आने वाले रबी २०२२ के मौसम में आप भी इस योजना से जुड़ सकते है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु किसानों के सहायतार्थ प्रश्नोत्तरी:

प्रश्न: प्रधान मंत्री फसल बीमा के तहत पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) क्या है?

उत्तर: पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना एक मौसम सूचकांक आधारित बीमा योजना है जो किसानों कर फसलों से जुड़े हुए जोखिमों की वजह से होने वाले नुकसान की भरपाई करने का माध्यम है। यह मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों जैसे वर्षा, तापमान, बीमारी अनुकूल मौसम के कारण खेतों को होने वाले नुकसान से किसानों को सुरक्षा प्रदान करती है।

प्रश्न: फसल बीमा कौन करवा सकता है?

उत्तर: ऋणी एवं गैर ऋणी (बटाईदार/साझेदार) किसान अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित की गई फसलों के बीमा का लाभ उठा सकते हैं। ऋणी एवं गैर ऋणी किसानों के लिए यह योजना स्वैच्छिक है। अपने क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों एवं उसके अंतिम तिथि के लिए सीएससी केंद्र, पीएमएफबीवाई पोर्टल, इंश्योरेंस कंपनी या कृषि कार्यालय से संपर्क करें। ऋणी किसान आवेदन की अंतिम तिथि से 7 दिन पहले तक सम्बंधित बैंक शाखा में ऑप्ट-आउट फॉर्म या स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत करके योजना से बाहर हो सकते है।

प्रश्न: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के लिए बीमित राशि क्या होगी?

उत्तर: बीमित राशि का निर्धारण जिला स्तरीय तकनीकी समिति द्वारा फसल के वित्त मान (Scale of Finance) के आधार पर किया जाता है।

प्रश्न: RWBCIS के तहत कौन-कौन से जोखिम शामिल है?

उत्तर: योजना के तहत निम्नलिखित जोखिम शामिल है;

1) वर्षा की कमी/अधिक वर्षा/बेमौसम वर्षा
2) तापमान की अस्थिरता, कम/उच्च तापमान
3) बीमारी अनुकूल मौसम
4) या इन सभी का संयोजन हो सकता है

प्रश्न: इस योजना के तहत कौन सी फसल को कवर किया जा सकता है और किसान द्वारा दिये जाने वाले प्रीमीयम दर क्या है?

उत्तर: ज्यादातर बागवानी और वार्षिक वाणिज्यिक फसले RWBCIS के अंतर्गत आती है और किसान द्वारा दिये जाने वाले प्रीमीयम दर बीमित राशि का 5% या बीमाकिक प्रीमियम दर, जो भी कम है।

प्रश्न: इस योजना के तहत गैर-ऋणी किसान बीमा कैसे ले सकते हैं?

उत्तर: फसल बीमा योजना के तहत बीमा प्राप्त करने के इच्छुक गैर-ऋणी किसान निकटम बैंक शाखा/सहकारी समिति/अधिकृत चैनल पार्टनर/जन सेवा केंद्र (सीएससी)/बीमा कम्पनी या उनके अधिकृत एजेंट से सम्पर्क कर सकते हैं या निर्धारित तिथि के अंतर्गत स्वयं राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल www.pmfby.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन फार्म भर सकते हैं।

प्रश्न: क्या ऋणी किसान बीमित फसल में परिवर्तन करा सकते हैं एवं कब तक?

उत्तर: हाँ, ऋणी किसान बीमित फसल में परिवर्तन करवा सकते हैं, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नामांकन की अंतिम तिथि से दोन (कार्य दिवस) पहले तक किसान अपने फसल में परिवर्तन की सूचना सम्बंधित बैंक शाखा में दे सकते है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना UIN: IRDAN144CP0003V01201617 | ADVT No.: